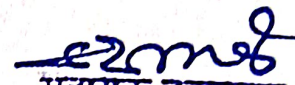


29.10.25 ~~बखारक विम कुं~~

~~कुंदि आमल पापली अपीलीप सापाल
हम तपुष की गरी है, ऐसी विवति मे
हम बखारक की मापणी को हपुस मे
प्रियारि विपे लने का कोई प्रीविल प्ररि
नही' छिग हो~~

~~सिधुप, हम बखारक को श्री कर पर
हप विप लने हो~~

~~बखारक कबिष वगए (४)~~


सहायक कलक्टर
SDO सिणधरी

